मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में 135 भामाशाहों को सम्मानित किया

भजनलाल ने कहा कि भामाशाह केवल इमारतें नहीं बनवा रहे, बच्चों के सपनों को उड़ान दे रहे हैं

- मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में एक करोड़ रूपए से अधिक सहयोग राशि देने वाले 35 भामाशाहों को ''शिक्षा विभूषण'' व 36 लाख से 1 करोड़ रूपए का सहयोग करने वाले 100 भामाशाहों को ''शिक्षा भूषण'' सम्मान प्रदान किया।
- स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि भामाशाहों ने करोड़ों रूपए देकर विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराई हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में आयोजित 29 वें राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सहयोग देने वाले 35 भामाशाहों को शिक्षा विभूषण सम्मान एवं 30 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का सहयोग देने वाले 100 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया।

जयपुर, 28 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में भामाशाहों, शिक्षाविदों एवं प्रेरकों की त्रिवेणी अहम भूमिका निभा रही है। इनसे प्रेरणा लेकर समाज के अन्य लोग भी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे।

शर्मा शनिवार को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में आयोजित 29वें राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की रक्षा के लिए अपनी समस्त संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित करने वाले भामाशाह का नाम हमारे हृदय में गर्व और सम्मान का भाव जगाता है। आज भी आवश्यकता पड़ने पर समाज के लिए भामाशाह आगे आते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी भामाशाह शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का नेक एवं सराहनीय कार्य कर रहे हैं। भामाशाह केवल इमारतें नहीं बनवा रहे, बल्कि हमारे बच्चों के सपनों को भी एक नई उड़ान दे रहे हैं। भामाशाह स्वयं से ऊपर उठकर अपने समाज, क्षेत्र और राष्ट्र के विकास की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि आज के दानदाता आधुनिक युग के भामाशाह हैं जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया है। स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि भामाशाहों ने करोड़ों रुपये का दान देकर विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध करवाई हैं। समारोह में मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में 1 करोड़ रुपये से अधिक की राशि का सहयोग देने वाले 35 भामाशाहों को शिक्षा विभूषण सम्मान एवं 30 लाख से 1 करोड़ रुपये तक का सहयोग देने वाले 100 भामाशाहों को शिक्षा भूषण सम्मान प्रदान किया।

इससे पहले, मुख्यमंत्री शर्मा ने आरटीई के तहत कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों की फीस पुनर्भरण व ट्रांसपोर्ट वाउचर की एक हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि रिमोट का बटन दबाकर डीबीटी की।

अहमदाबाद विमान हादसाः 260 मृतकों की पहचान हुई

अहमदाबाद, 28 जून। अहमदाबाद में हुए भीषण विमान हादसे को दो हफ्ते से ज्यादा समय बीत चुका है। अब अधिकारियों ने बताया है कि डीएनए जांच के जरिए हादसे के आखिरी पीड़ित की पहचान कर ली गई है। इसके साथ ही, अब तक 260 मृतकों की पहचान हो गई है। मामले में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि

- अधिकारियों ने कहा कि डीएनए जाँच से हादसे के आखिरी पीड़ित की भी पहचान हो गई है। सभी 260 शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

अंतिम पीड़ित के पार्थिव शरीर को उसके परिजनों को सौंप दिया गया है। इससे पहले, मेडिकल अधिकारियों ने मृतकों की संख्या 270 बताई थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मृतकों में 200 भारतीय (181 यात्री और 19 जमीन पर मौजूद लोग), 52 ब्रिटिश नागरिक, सात पुर्तगाली नागरिक, एक कैनडाई नागरिक शामिल हैं। इस हादसे में बहुत से शव पूरी तरह से जल चुके थे, जिससे उनकी पहचान मुश्किल हो गई थी।

ई-वोटिंग कराने वाला पहला राज्य बना बिहार

बिहार के 26 जिलों की 42 नगरपालिकाओं के उपचुनाव में मोबाइल ऐप के जरिए वोटिंग कराई गई

- मतदान के लिए दो ऐप लाँच की गईं। पहली ऐप सैंटर फॉर डवलपमैंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग ने व दूसरी बिहार चुनाव आयोग ने बनाई थी। ये ऐप्स एण्ड्रॉयड फोन पर ही काम कर सकती हैं।

पटना, 28 जून। बिहार ने आज मोबाइल ऐप के माध्यम से मतदान कराकर भारतीय लोकतंत्र में इतिहास रच दिया है। देश में पहली बार बिहार के 26 जिलों की 42 नगरपालिकाओं के उपचुनाव में मोबाइल ऐप के जरिए मतदान कराया गया। इस उपचुनाव में छह नगरपालिकाओं में पायलट परियोजना के तौर पर मोबाइल ऐप के जरिए ई-वोटिंग हुई। उपचुनाव में कुल 62.41 प्रतिशत मतदान हुआ। इसमें बूथ वोटिंग की तुलना में ई वोटिंग का प्रतिशत 16 अधिक रहा। ई-वोटिंग का प्रतिशत जहां 70.20 रहा, वहीं मतदान केन्द्रों पर वोटिंग 54 प्रतिशत ही हुई।

राज्य निर्वाचन आयुक्त दीपक प्रसाद ने यहां बताया कि यह एक बहुत ही एतिहासिक दिन है और बिहार के लिए गर्व की भी बात है कि देश में आज पहली बार यहां सफलतापूर्वक ई-वोटिंग कराया गया। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट मतदान केन्द्रों तक पहुंचने में असमर्थ लोगों को आसानी से वोटिंग कराने के लिए शुरू किया गया है। प्रसाद ने बताया कि ई-वोटिंग के जरिए प्रवासी श्रमिक, दिव्यांग, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाओं और गंभीर रूप से बीमार लोगों ने अपना वोट दिया है। इस सुविधा के लिए पहले से रजिस्ट्रेशन कराना था। चुनाव आयोग के अनुसार ई-वोटिंग के लिए 50 हजार से ज्यादा मतदाताओं ने रजिस्ट्रेशन कराया था और उनमें से 70.20 प्रतिशत ने वोट किया। मोतिहारी की विभा ने ऐप से पहला वोट डाला, जिससे वे देश की पहली ई-वोटर बन गई हैं।

गौरतलब है कि मतदान के लिए दो ऐप लॉन्च किए गए थे। पहला ऐप सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डेक) ने बनाया है, वहीं दूसरा ऐप बिहार चुनाव आयोग ने तैयार कराया है। इसमें सेफ्टी के लिए फेस रिकग्निशन और लाइव फेस स्कैन जैसी एडवांस तकनीकों का इस्तेमाल किया गया है। यह ऐप अभी सिर्फ एंड्रॉयड फोन में ही काम करता है।

'चुनाव आयोग भाजपा का ''ब्राँच ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ओ' ब्रायन ने पूछा, ''क्या चुनाव आयोग वास्तव में चुनाव आयोग है या भाजपा का ब्रांच ऑफिस है''? उन्होंने कहा, ''2021 के बंगाल चुनावों से पहले सीएए लागू किया गया था, लेकिन भाजपा हारी। और अब 2026 से पहले, वे यही करने की कोशिश कर रहे हैं। राजनीतिक दल सर्वेक्षण कर सकते हैं, लेकिन पकड़े न जाएं।''

चुनाव आयोग ने चुनावाधीन बिहार में इस अभियान को आगे बढ़ाया है, और राज्य में तृणमूल और भाजपा विरोधी दलों को विश्वास है कि भाजपा के इस अभियान के पीछे उसका संदिग्ध मकसद है।

ओ' ब्रायन ने कहा, ''यह डर फैलाने की रणनीति है। पिछले एक साल में बंगाल में हुए 11 उपचुनावों में हमने सात सीटें बड़े अंतर से जीती हैं। उन सीटों पर, जो भाजपा ने जीती थीं या जिन पर वह आगे थी, हार-जीत का अन्तर बहुत कम था। हम ऐसी पार्टी नहीं हैं, जो चुनावों से पहले उड़ जाती हो।''

जब ममता ने बंगाल और अन्य उत्तर भारतीय राज्यों में डुप्लीकेट मतदाताओं का मुद्दा उठाया था, तो चुनाव आयोग ने अप्रैल 30 तक इस मुद्दे को सुलझाने की घोषणा की थी।

ओ' ब्रायन ने कहा, ''हम जानना चाहते हैं कि चुनाव आयोग ने क्या समाधान किया है। हमने मिलने का समय मांगा था, लेकिन मना कर दिया गया।''

तृणमूल ने आरोप लगाया कि विशेष सघन पुनरीक्षण 1935 में नाज़ी जर्मनी द्वारा जारी किए गए ''पूर्वज पास'' (एनसैंस्टर पास) जैसा है।

उन्होंने पूछा, ''क्या यह नाज़ी पूर्वज पास का नया संस्करण है? अब हम यहाँ से कहाँ जाएं?''

नए आदेश के तहत, 1987 से पहले जन्मे लोगों को अपने जन्म प्रमाणपत्र देने होंगे। 1987 और 2004 के बीच जन्मे लोगों को अपने और अपने माता-पिता दोनों के जन्म प्रमाणपत्र देने होंगे।

राज्यसभा में तृणमूल की उपनेता सागरिका घोष ने कहा, ''क्या हम सबके पास अपने माता-पिता के जन्म प्रमाणपत्र हैं? गरीब और प्रवासी मजदूरों की तो बात ही क्या करें? वे इसे कैसे प्राप्त करेंगे? यह एक साजिश है। यह भाजपा के एजेंडा को आगे बढ़ाने का प्रयास है। भाजपा और चुनाव आयोग भारत के नागरिकों के मताधिकार छीन लेंगे। भाजपा विशेष सघन पुनरीक्षण के नाम पर बिहार में एनआरसी लागू करने के लिए पिछले दरवाजे का इस्तेमाल कर रही है।''

तृणमूल कांग्रेस ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की पार्टियाँ संसद के अंदर और बाहर इस मुद्दे को उठाएंगी।

ओ' ब्रायन ने कहा, ''इस सरकार को संसद से डर लगता है। हम संसद सत्र का इंतजार नहीं कर सकते। इंडिया ब्लॉक के दलों के बीच अभी भी अच्छा समन्वय है।''

मोदी ने शुभांशु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में भी शुभ है और आपकी यात्रा नहीं युग का शुभारंभ भी है। इस समय हम दोनों ही बात कर रहे हैं, लेकिन 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं भी मेरे साथ हैं। मेरी आवाज़ में सभी भारतीयों का उत्साह और उत्साह शामिल है। मैं अंतरिक्ष में अपना झंडा फहराने के लिए आपको अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। क्या वहाँ सब कुछ ठीक है? क्या आप ठीक हैं?

इस पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा, आपकी इच्छाओं और 140 करोड़ भारतीयों की इच्छाओं के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद। मैं यहाँ ठीक हूँ और सुरक्षित हूँ। मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, यह एक नया अनुभव है। यह यात्रा न केवल मेरी है बल्कि पूरे देश की यात्रा है। आपके नेतृत्व में, आज का भारत उनके सपनों को पूरा करने के लिए कई अवसर प्रदान करता है। मुझे यहां भारत का प्रतिनिधित्व करने पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है।

क्या है युवा अभिनेत्री शेफाली...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नहीं हुई है, लेकिन विशेषज्ञ एपिलेप्सी से जुड़ी जटिलताओं की संभावना को नकार नहीं रहे हैं। कुछ रिपोर्ट्स में यह आशंका भी जताई जा रही है कि कहीं उन्होंने आत्म-हत्या तो नहीं की।

फिलहाल, मृत्यु का सटीक कारण केवल फॉरेंसिक रिपोर्ट और पोस्टमार्टम जांच के बाद ही पता चल पाएगा।

मुंबई पुलिस ने शनिवार को अंधेरी स्थित गोल्डन राइज़ में शेफाली ज़रीवाला के आवास पर फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम तैनात कर उनकी असमायिक मौत मामले की औपचारिक जांच शुरू कर दी।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान में पुलिस ने कहा कि शेफाली ज़रीवाला (42) की मौत का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, जांच और पोस्टमार्टम के नतीजे आने बाकी हैं। अधिकारियों के अनुसार जरीवाला अपने पति पराग त्यागी के साथ अंधेरी स्थित पते पर रहती थीं। उनके पति और परिवार के सदस्यों ने उन्हें एक वाहन में अस्पताल पहुंचाया, जिसके बारे में इमारत के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि वे लगभग 10-10:15 बजे आपातकालीन परिस्थितियों में तेज गति से जा रहे थे। गार्ड ने कहा कि वाहन की रंगीन खिड़कियों के कारण कुछ स्पष्ट दिखाई नहीं पड़ा था, लेकिन उसने पुष्टि की कि उसने जरीवाला को उस शाम अपने पति के साथ घमूते हुए देखा था। वह उस समय स्वस्थ दिख रही थीं।

शेफाली शुरुआत से ही फिल्मी दुनिया का हिस्सा बनना चाहती थीं, इसलिए मौका मिलते ही वह अपने सपने पूरे करने के लिए गुजरात से मुंबई आ गईं। यहां आकर उन्होंने कई म्यूज़िक एल्बम और फिल्मों में काम भी किया। शेफाली ने वर्ष 2005 में 1982 में गुजरात में जन्मी शेफाली बहुत कम उम्र में मुम्बई आ गई थी और वर्ष 2005 में उन्होंने मुम्बई के सरदार पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से सूचना प्रौद्योगिकी में मास्टर्स की डिग्री हासिल की। इंजीनियरिंग अध्ययन के दौरान वर्ष 2002 में उन्होंने रीमिक्स गाने 'कांटा लगा' के म्यूजिक वीडियो में काम किया और कांटा लगा गर्ल के नाम से प्रसिद्ध हो गईं। इसके बाद उन्होंने कई म्युजिक एल्बम शो व कुछेक फिल्मों में काम किया। इसी दौरान वर्ष 2004 में उन्होंने मीत ब्रदर्स वाले संगीत निर्देशक हरमीत सिंह से शादी की। लेकिन यह रिश्ता ज्यादा नहीं चला और 2009 में दोनों अलग हो गए। इसके बाद वर्ष 2014 में उन्होंने अभिनेता पराग त्यागी से शादी की।

शेफाली 'नच बलिए 5' और 'नच बलिए 7' बिग बॉस 13 में भी नज़र आईं। उनके अचानक निधन की खबर से उनके फैन्स सदमे में हैं।

कुख्यात आतंकवादी साकिब नाचन की दिल्ली में इलाज के दौरान मौत

मुंबई, 28 जून। कुख्यात आतंकवादी साकिब नाचन की दिल्ली में इलाज के दौरान मौत के बाद, महाराष्ट्र के बोरीवली और पडघा दोनों जगहों पर 200 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है और गांव में प्रवेश करने वाले हर वाहन की जांच की जा रही है।

भिवंडी तालुका में पडघा-बोरीवली नाचन का गृहनगर है। पुलिस ने कहा कि उसकी मौत की खबर के बाद बोरीवली और पडघा दोनों जगहों पर 200 से अधिक पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है। साकिब नाचन मुंबई सीरियल बम धमाकों का मुख्य आरोपी था। बाद में उसे इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएसआई) मॉड्यूल मामले में दिसंबर 2023 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने फिर से गिरफ्तार किया था। उसे दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखा गया था।

इटली में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और सभी समय की सबसे महान फिल्मों में से एक मानी जाएगा। नहीं, हमने कभी इसकी उम्मीद नहीं की थी। जी.पी. सिप्पी निर्मित और रमेश सिप्पी निर्देशित फिल्म शोले 15 अगस्त 1975 में रिलीज हुयी थी। यह फिल्म मुंबई के मिनर्वा थियेटर में पांच सालों तक चली थी।

कोलकाता गैंग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भूमिका में परिसर में लौट आया। मनोजीत को 2021 में कॉलेज की तृणमूल कांग्रेस की छात्र शाखा से निष्कासित कर दिया गया था।

पंजाब कैडर के 1989...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पंजाब में उग्रवाद के चरम समय के दौरान सेवा में थे, जहां उन्होंने कई जिलों में सीनियर सुपरिन्टेन्डैन्ट ऑफ पुलिस (एसएसपी) और डिप्टी इन्स्पैक्टर जनरल (डीआईजी) जैसे पदों पर कार्य किया। आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में उनके जमीनी पुलिसिंग अनुभव ने उसके बाद के खुफिया कार्य के लिए मजबूत नींव का कार्य किया।

जैन को श्रीलंका और कैनडा में भारतीय मिशनों में भी तैनात किया गया, जहां उन्होंने कूटनीतिक खुफिया ऑपरेशनों को संभाला। खास तौर से, कैनडा में अपने कार्यकाल के दौरान, उन्हें विदेशी जमीन से संचालित खालिस्तानी आतंकवादी मॉड्यूल्स का पता लगाने का कार्य सौंपा गया था। यह भूमिका उनकी वैश्विक आतंकवाद-रोधी समझ पर देश के भरोसे को रेखांकित करती है।

जैन की नियुक्ति ऐसे समय की जा रही है, जब भारत के विदेशी खुफिया ऑपरेशनों को जटिल चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जो सीमा पार आतंकवाद से लेकर चीन और पाकिस्तान के साथ भू-राजनीतिक तनावों तक फैली हुई हैं। उनके व्यापक ऑपरेशनल अनुभव और क्षेत्रीय विशेषज्ञता के चलते, जैन से उम्मीद की जा रही है कि वे रॉ की निगरानी और आतंकरोधी क्षमताओं को और तेज करेंगे।

गहलोत खुद...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक करोड़ देकर चौथे को मुफ्त में ले जाओ। यह बहुत बड़ा दुर्भाग्य है। जिनकी सरकार होती है, वे जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करते हैं। पहले केन्द्र में होता था, अब राज्य में हो रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल के खिलाफ जो भी बोलता है, उसे पकड़ा जा रहा है। वे उड़न खटोले में घूम रहे हैं। पता नहीं, उनको दुबारा मौका मिलेगा या नहीं। उनके मंत्री भी नौसखिए हैं। प्रदेश के हालात बदतर हैं।

नीतीश ने 21,391 पुलिस कर्मियों को नियुक्ति पत्र दिया

नीतीश ने नियुक्ति कार्यक्रम में कहा कि 42,609 सिपाहियों की नियुक्ति की प्रक्रिया शुरु हो गई है

- नीतीश ने कहा कि उनके कार्यकाल में राज्य में पुलिसबल की क्षमता 2.29 लाख तय की गई है जबकि उनसे पहले स्वीकृत क्षमता मात्र 51 हजार थी और मात्र 42,481 पुलिसकर्मी ही कार्य कर रहे थे।

पटना, 28 जून। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज नवनियुक्त 21391 पुलिसकर्मियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान किया और कहा कि बचे हुए 22771 पदों पर भी बहाली का काम तेजी से हो। कुमार ने शनिवार को यहां बापू सभागार में नवनियुक्त 21 हजार 391 पुलिसकर्मियों को नियुक्ति-पत्र प्रदान करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित किया और कहा 24 नवम्बर, 2005 को राज्य में नई सरकार बनने के समय बिहार पुलिस में कार्यरत बल की संख्या काफी कम थी। उस समय पुलिस में स्वीकृत बल की संख्या लगभग 51 हजार थी। इसके विरूद्ध मात्र 42 हजार 481 पुलिसकर्मी कार्यरत थे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि उनका शुरू से कहना है कि राज्य में पुलिस बल की संख्या को और बढ़ाया जाये। इसके लिए वर्ष 2006 से ही पुलिस बल की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की गयी। वर्ष 2022 में राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़ कर एक लाख 10 हजार हो गयी।

कुमार ने कहा कि वर्ष 2023 में पुलिस सप्ताह के कार्यक्रम में हमने राज्य में पुलिस बल की संख्या बढ़ाकर दो लाख 29 हजार तय कर दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि 21 हजार 391 सिपाहियों की सीधी बहाली का काम पूरा हो गया है, जिन्हें आज नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। आज की बहाली के बाद बिहार पुलिस में महिलाओं की संख्या अब बढ़ कर लगभग 36 हजार हो गयी है जो देश के किसी भी राज्य से अधिक है।

'झूठे नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं नीतीश'

राजगीर, 28 जून। जनसुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोला और कहा कि चुनाव से पहले कुमार झूठा नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं। किशोर ने शनिवार को नालंदा जिले के एकंगसराय स्थित सुखदेव हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कुमार पर हमला बोला और कहा कि चुनाव से पहले मुख्यमंत्री झूठा

- जनसुराज पार्टी प्रमुख प्रशांत किशोर ने पुलिसकर्मियों को नीतीश द्वारा दिए गए नियुक्ति पत्र को लेकर टिप्पणी की।

नियुक्ति पत्र बांट रहे हैं, लेकिन अब बिहार की जनता बदलाव चाहती है, अफसरों के राज से मुक्ति चाहती है। इस बार नालंदा की जनता ने कुमार की विदाई की तैयारी कर ली है।

जनसुराज के सूत्रधार ने नेता प्रतिपक्ष और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला करते हुए कहा कि तेजस्वी यादव का कलम बांटना वैसा ही है जैसे जंगल में शेर दूध बांटने लगे।

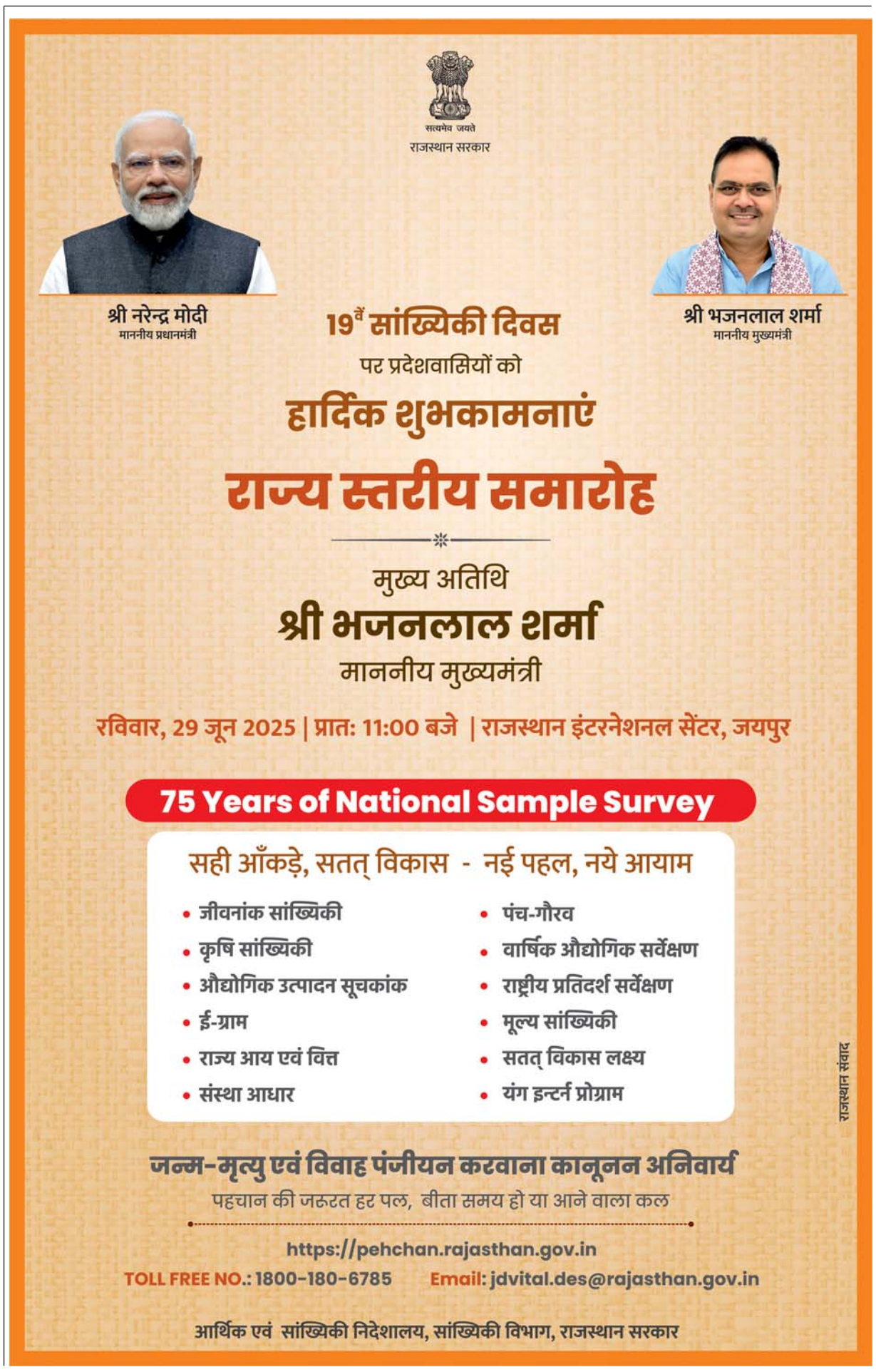

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032,फैक्सः0744-2386033, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोनः 226422, 226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908